

648
8/10/12



खण्ड : 4

संख्या : 7

दशम् बिहार विधान-सभा वादवृत्त

(चतुर्थ सत्र)

(भाग-1 कार्यवाही प्रश्नोत्तर)



सत्यमेव जयते

बृहस्पतिवार, दिनांक : 21 मार्च 1991 ई०

(2) औद्योगिक समन्वय समिति का गठन विभागीय स्तर से नहीं की गई है।

(3) कौंडिका (1) के उत्तर के आलोक में प्रश्न नहीं उठता है। जिला औद्योगिक कार्यान्वयन समिति द्वारा ही उद्यमियों की समस्याओं का निराकरण की कार्रवाई की जाती है।

प्रश्न नहीं उठता है।

(4) जब इस प्रकार की समिति का गठन विभागीय स्तर से नहीं किया गया है तो इसे प्रभावी बनाने की कार्रवाई की प्रश्न नहीं उठता है।

फंड का आवंटन

ऐ-55. श्री दुती पाहन : क्या मंत्री, उद्योग विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

- (1) क्या यह बात सही है कि बिहार सरकार के सभी उपक्रमों को वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिए फंड आवंटित कर दिया गया है;
- (2) क्या यह बात सही है कि हाइटेन्सन इन्सुलेटर फैक्ट्री, नामकुम के लिए वर्तमान वित्तीय वर्ष में आवंटन नहीं किया गया है;
- (3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त फैक्ट्री को भी आवंटन वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिए देना चाहती है?

प्रभारी मंत्री, उद्योग विभाग : (1) उत्तर नकारात्मक है। वस्तुस्थिति यह है कि बिहार सरकार के सभी उपक्रम उद्योग विभाग के अधीन नहीं हैं। उद्योग विभाग के अधीन कार्यरत निगमों की संख्या ग्यारह (11), औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार की संख्या 6 (छः) एवं बोर्ड (खादी बोर्ड) की संख्या 1 (एक) अर्थात् कुल 18 (अठारह) ही उपक्रम हैं।

1990-91 में उक्त सभी उपक्रमों की हिस्सा, पूंजी, ऋण अनुदान के रूप में योजना मद की जानेवाली राशि का प्रस्ताव अभी निर्धारित प्रक्रियाओं के अन्तर्गत विचाराधीन है।

(2) यह प्रतिष्ठान बिहार राज्य औद्योगिक विकास निगम के अधीन है। इसे राशि दिये जाने की स्थिति कडिका 1 में वर्णित है।

(3) वस्तुस्थिति यह है कि हाईटेन्सन इन्सुलेटर फैक्ट्री, नामकुम को राज्य सरकार सीधे कोई राशि उपलब्ध नहीं कराती है। जो भी राशि दी जाती है, वह उनके औद्योगिक विकास निगम के माध्यम से ही दी जाती है। कडिका 1 में वर्णित स्थिति के अनुसार योजना की स्वीकृति के पश्चात् औद्योगिक विकास निगम की राशि उपलब्ध करा दी जायेगी तो आवश्यकतानुसार उक्त फैक्ट्री को राशि देंगे।

मानदेय राशि का भुगतान

झ-24. श्री दुती पाहन : क्या मंत्री, मानव संसाधन विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—